

दो नए भूवैज्ञानिक वरिसत स्थल

हाल ही में [भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण](#) (GSI) ने भारतीय हिमालयी क्षेत्र में दो भूवैज्ञानिक वरिसत स्थलों की पहचान की है।

- इसके तहत शवालिक जीवाश्म उद्यान (हिमाचल प्रदेश) और स्ट्रोमेटोलाइट बेयरगि डोलोमाइट/बक्सा फॉर्मेशन के चूना पत्थर (सक्किमि) की पहचान की गई है।
- इन दो स्थलों को शामिल करने से भारत में 34 भूवैज्ञानिक वरिसत स्थल हो गए हैं।
- इससे पहले GSI ने भू-पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये पूर्वोत्तर में कुछ भूवैज्ञानिक स्थलों की पहचान की थी।

प्रमुख बटु

- **शवालिक जीवाश्म पार्क (हिमाचल प्रदेश):** शवालिक जीवाश्म पार्क प्लियो-प्लीस्टोसिन युग (2.6 मिलियन से 11,700 वर्ष पूर्व) के क्षेत्र की शवालिक चट्टानों से बरामद कशेरुकी जीवाश्मों का एक समृद्ध संग्रह को प्रदर्शित करता है।
 - शवालिक अवसादों का नक्षिण संकरे रेखीय अवसाद में हुआ, जिसे 'फ्रंट डीप' कहा जाता है, यह हिमालय में मध्यनूतन युग (23 मिलियन वर्ष से 2.6 मिलियन वर्ष पूर्व) की शुरुआत के बाद से विकसित होना शुरू हुआ।
- **सक्किमि के बक्सा फॉर्मेशन के स्ट्रोमेटोलाइट बेयरगि डोलोमाइट/लाइमस्टोन:** यह स्थल प्रोटोरोजोइक युग के डेलगि ग्रुप (2.5 बिलियन वर्ष से 541 मिलियन वर्ष पूर्व) से संबद्ध है।
 - डोलोस्टोन (तलछटी चट्टान) काफी हद तक स्ट्रोमेटोलिटिक (प्रीकैम्बरियन एलुगल संरचनाएँ) हैं। यह साइट सक्किमि हिमालय में प्रारंभिक जीवन के दुर्लभ उदाहरणों में से एक है।
 - प्री-कैम्बरियन, भूगर्भिक युगों में सबसे पुराना है, जो तलछटी चट्टानों की वभिन्न परतों द्वारा चिह्नित है।

भू-वरिसत स्थल क्या हैं?

- भू-वरिसत का तात्पर्य ऐसी भूवैज्ञानिक मुखाकृतियों या स्थानों से है, जो स्वाभाविक रूप से या सांस्कृतिक रूप से महत्त्वपूर्ण हैं और पृथ्वी के विकास या पृथ्वी विज्ञान के इतिहास के लिये अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं अथवा इनका उपयोग शैक्षिक उद्देश्यों के लिये किया जा सकता है।
- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) वह मूल निकाय है, जो देश में भू-वरिसत स्थलों/राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक स्मारकों की पहचान और संरक्षण की दशा में प्रयास कर रहा है।

क्रम संख्या	भूवैज्ञानिक वरिसत स्थल/ राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक स्मारक	क्रम संख्या	भूवैज्ञानिक वरिसत स्थल/ राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक स्मारक
	आंध्र प्रदेश	18	कशिनगढ़ नेफलाइन सायनाइट, अजमेर ज़िला।
1	ज्वालामुखीय बेडेड बैराइट्स, मंगमपेटा, कडप्पा ज़िला।	19	वेल्डेड टफ, जोधपुर ज़िला।
2	एपार्चियन अनकॉरमेटी, चित्तूर ज़िला	20	जोधपुर ग्रुप- मालानी इग्नयिस सुइट कांटेक्ट, जोधपुर ज़िला।
3	प्राकृतिक भूवैज्ञानिक आर्क, तरिमाहा हलिस, चित्तूर ज़िला।	21	सतुर, बूंदी ज़िले में ग्रेट बाउंडरी फॉल्ट।
4	एरा मैटी डब्ल्यू- वशिखापत्तनम और भीमुनपिट्टनम के बीच स्थिति वचिछेदति एवं स्थिर तटीय लाल तलछट के टीले।		महाराष्ट्र
	केरल	22	लोनार झील, बुलडाना जिला।
5	अंगदीपुरम पीडब्ल्यूडी वशिखामगृह		छत्तीसगढ़

	परसिर के पास लेटराइट, मलपुरम ज़िला ।		
6	वरकला क्लफि सेक्शन, तरुवनंतपुरम ज़िला ।	22	मनेंदरगढ़, सरगुजा ज़िला में लोअर परमयिन मरीन बेड ।
	तमलिनाडु		करनाटक
7	तरुवककराई के पास जीवाश्म लकड़ी, दक्षिण आरकोट ज़िला ।	24	कोलुमनार लावा, सेंट मैरी द्वीप उडुपी ज़िला ।
8	नेशनल फॉसिलि वुड पार्क, सथानूर, तरुचरिपल्ली ज़िला ।	25	मारडीहल्ली, चतिरदुर्ग ज़िला के पास पल्लो लावा ।
9	चारनोकाइट, सेंट थॉमस माउंट, मद्रास ।	26	प्रायद्वीपीय गनीस, लालबाग, बैंगलोर
10	करई फॉर्मेशन के बैडलैड्स के साथ करेटेसियस फॉसिलि तथा करई-कोलकनाथम सेक्शन, पेरम्बलुर ज़िला ।	27	पाइरोक्लास्टिक्स और पल्लो लावा, कोलार गोल्ड फील्ड, कोलार ज़िला ।
	गुजरात		हमिचल प्रदेश
11	तलछटी संरचनाएँ- एडी मार्कगि, कदन बाँध, पंचमहल ज़िला ।	28	शविलकि फॉसिलि पार्क, साकेती, सरिपुर ज़िला ।
	राजस्थान		उड़ीसा
12	सेंद्रा ग्रेनाइट, ज़िला पाली ।	29	लौह अयस्क बेल्ट में पल्लो लावा, नोमरि, क्यॉंझर ज़िला ।
13	बरर समूह, ज़िला पाली ।		झारखंड
14	स्ट्रोमेटोलाइट फॉसिलि पार्क, झार मारकर रॉक फास्फेट, ज़िला उदयपुर ।	30	राजमहल फॉर्मेशन का इंटरट्रेपियन प्लांट फॉसिलि, मंड्रो के आसपास ऊपरी गोंडवाना सीक्वेंस, साहबिगंज ज़िला ।
15	राजपुरा-दरीबा मनिरलाइज़्ड बेल्ट, गोसन ज़िला उदयपुर ।		नगालैंड
16	भोजुंदा के पास स्ट्रोमेटोलाइट पार्क, चतितौड़गढ़ ।	31	पुंगरो के पास नगाहलि ओफियोलाइट साइट ।
17	आकल वुड फोसिलि पार्क, जैसलमेर ।		सकिकमि
		32	दक्षिण ज़िला के नामची के पास ममले में बक्सा फॉर्मेशन के डोलोमाइट/लाइमस्टोन वाले स्ट्रोमेटोलाइट ।

यूनेस्को ग्लोबल जियो पार्क:

- ग्लोबल जियो पार्क एकीकृत भू-वैज्ञानिक क्षेत्र होते हैं जहाँ अंतरराष्ट्रीय भू-ग्रामीय महत्त्व के स्थलों व परदृश्यों का सुरक्षा, शक्तिषा और टिकाऊ विकास की समग्र अवधारणा के साथ प्रबंधन किया जाता है ।
- हालाँकि 44 देशों में 161 'यूनेस्को ग्लोबल जियो पार्क' हैं, लेकिन अभी तक भारत का एक भी भू-वैज्ञानिक स्थल इस नेटवर्क के तहत शामिल नहीं किया गया है ।
- **भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण:**
- मुख्य रूप से रेलवे के लिये भारत में उपलब्ध कोयला भंडार की खोज के उद्देश्य से वर्ष 1851 में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (Geological Survey of India-GSI) विभाग की स्थापना की गई थी । वर्तमान में GSI खान मंत्रालय की एक सहायक संस्था के रूप में कार्य कर रहा है ।
- GSI का मुख्य कार्य राष्ट्रीय भू-वैज्ञानिक सूचना और खनजि संसाधन मूल्यांकन एवं आधुनिकीकरण संबंधी कार्य करना है ।
- इसका मुख्यालय कोलकाता में है ।

स्रोत: पी.आई.बी.